राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

(अन्तरानुशासनिक)

भारतीयज्ञानपरम्परायां विकसितभारतस्य परिकल्पना

7 मार्च 2024 गुरूवार

नाम :- ____________________

पद :- ____________________

विषय :- ____________________

महाविद्यालय/संस्था :- ____________________

पता :- ____________________

मोबाईल/फोन नं. :- ____________________

ई-मेल :- ____________________

शोधपत्र का शीर्षक :- ____________________

पंजीयन शुल्क :- ____________________

नगद/डिमाण्ड ड्राफ्ट :- ____________________

डिमाण्ड ड्रफ्ट क्र. :- ____________________

दिनांक :- ____________________

बैंक का नाम :- ____________________

दिनांक .... हस्ताक्षर

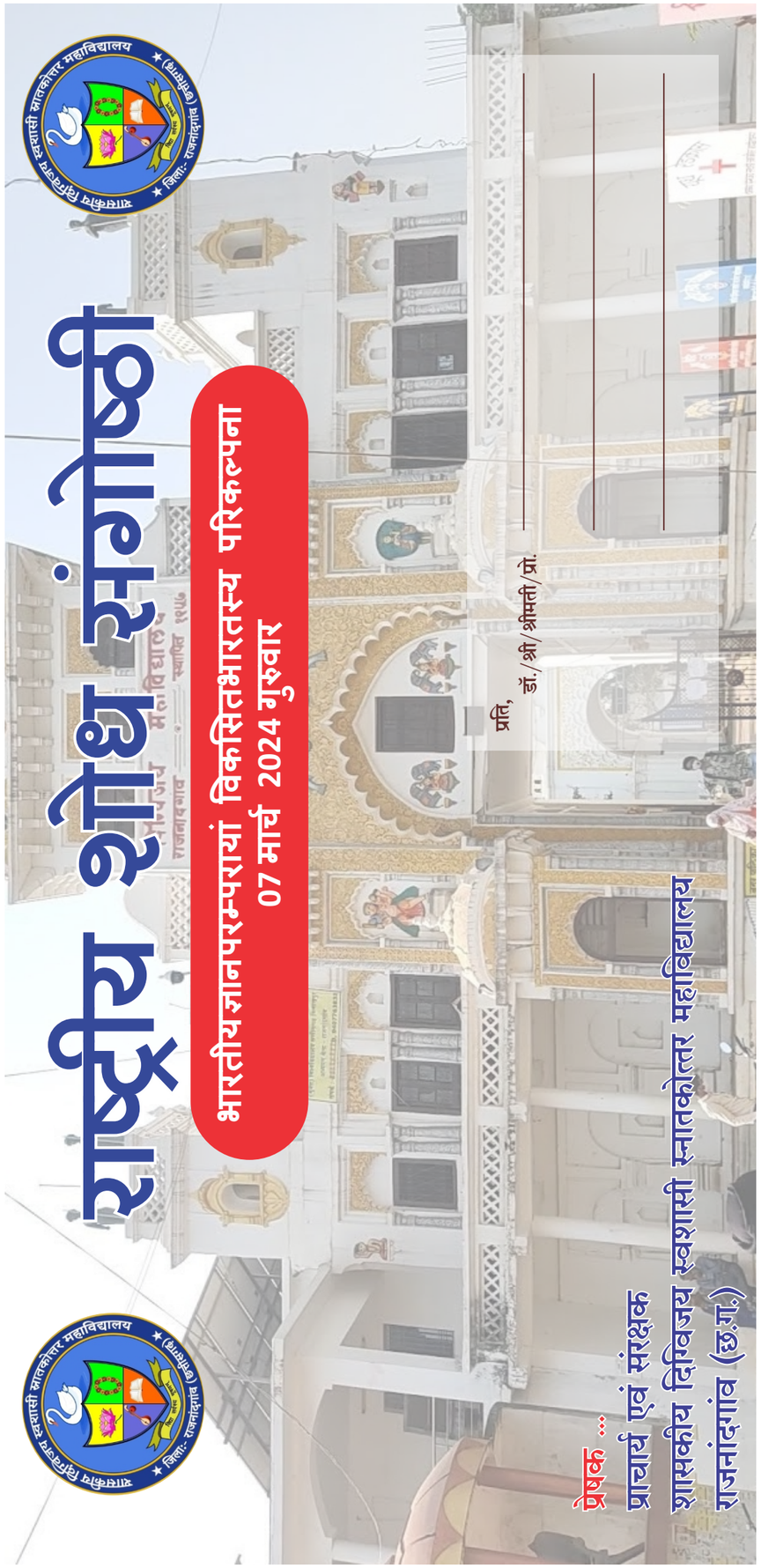

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

भारतीयज्ञानपरम्परायां विकसितभारतस्य परिकल्पना
07 मार्च 2024 गुरुवार

प्रति,
डॉ./श्री/श्रीमती/प्रो. ____________________

प्रेषक ...
प्राचार्य एवं संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

(अन्तरानुशासनिक)

भारतीयज्ञानपरम्परायां विकसितभारतस्य परिकल्पना

7 मार्च 2024 गुरूवार

-: आयोजक :-

संस्कृत विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव, (छ.ग.)

संरक्षक
डॉ. के. एल. टांडेकर
प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगांव, (छ.ग.)

संयोजक
डॉ. दिव्या देशपाण्डे
विभागाध्यक्ष एवं सहा. प्राध्यापक संस्कृत

आयोजन सचिव
डॉ. ललित प्रधान
सहा. प्राध्यापक संस्कृत

आयोजन सहसचिव
डॉ. महेंद्र नगपुरे
अतिथि व्याख्याता संस्कृत

आदरणीय विदज्जन

आपको सूचित करते हुये हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है कि शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के संस्कृत विभाग द्वारा **'भारतीय ज्ञानपरम्परायां विकसित भारतस्य परिकल्पना'** विषय पर दिनांक ०७ मार्च २०२४ को एकदिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

ध्यातव्य है कि भारतीय ज्ञान की एक समृद्ध परम्परा इस भारत देश की अद्वितीय विशेषता रही है। प्राचीन भारतीय साहित्य विशेषकर संस्कृत वाङ्मय इस भारतीय ज्ञान परम्परा का परम संवाहक है। वेद, पुराण, उपनिषद् आदि प्राचीन ग्रन्थ जहां ज्ञान की अपार राशि हैं। वहीं संस्कृत वाङ्मय में ऐसे अनेक ग्रंथो का समावेश है, जिनमें विज्ञान, योग, ज्योतिष, आयुर्वेद, इतिहास, दर्शन, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र आदि समस्त विषयों से सम्बन्धित तथ्य निहित हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में ही भारतीय संस्कृति की शाश्वतता एवं भारत के विकास का परम लक्ष्य निहित है। भारत के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, दार्शनिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन के विकास के सोपानों की सम्पूर्ण व्याख्या करने वाले भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक शास्त्र विशेषकर संस्कृत वाङ्मय में निहित ज्ञान पर चिन्तन कर उसे समाज के समक्ष रखकर विकसित भारत की परिकल्पना प्रस्तुत करना एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व का प्रतिपादन करना ही इस शोध संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य है।

महाविद्यालय परिचय

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजनांदगांव, छत्तीसगढ राज्य के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है।जिसकी स्थापना महंत राजा दिग्विजय दास जी द्वारा दान में प्रदत्त महल में सन् १९७७ में की गई। महाविद्यालय १९७३ में राज्य शासन के अधीन हो गया। १९९२-९३ में यूजीसी द्वारा महाविद्यालय को स्वायत्त महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। क्षेत्र का सबसे पुराना महाविद्यालय होने का गौरवशाली इतिहास अपने में समेटे हुए यह महाविद्यालय श्री गजानंद माधव मुक्तिबोध,डॉ.पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी एवं श्री बलदेव प्रसाद मिश्र की कर्मस्थली भी रहा है। महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, कम्प्यूटर संकायों की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाएँ संचालित हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर 18 विषयों में कक्षाएँ संचालित हैं। स्नातक स्तर पर सत्र २०२२-२३ से NEP 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम संचालित हैं। इस महाविद्यालय में अध्ययन के पश्चात् अनेक छात्र-छात्राएँ प्रशासनिक, सामाजिक, राजनैतिक, व्यापारिक, खेल इत्यादि अनेक क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा रहे हैं।

संस्कृत-विभाग

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में सन् १९५७ से स्नातक एवं सन् २००३ से स्नातकोत्तर कक्षाएँ संचालित है। इस। विभाग में अध्ययन एवं अध्यापन दोनों का माध्यम संस्कृत है। विद्यार्थियों को संस्कृत संभाषण में निपुण करने के लिये विभाग द्वारा प्रतिवर्ष संस्कृत संभाषण कार्यशाला आयोजित की जाती है। संस्कृत वाङ्मय में निहित वैज्ञानिक तथ्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराने हेतु एक संस्कृत लैब की भी स्थापना की गई है।

राजनांदगांव के विषय में

राजनांदगांव भारत के छत्तीसगढ़ राज्य का एक प्रमुख जिला है, जिसका प्रशासनिक जिला मुख्यालय राजनांदगांव शहर है। राजनांदगांव शहर दक्षिण-पूर्वी रेलवे के मुंबई-हावड़ा मार्ग पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग एन.एच.-५३,राजनांदगांव से होकर गुजरता है। यहाँ निकटतम हवाई अड्डा रायपुर में स्थित है। राजनांदगांव से ३० कि.मी. की दूरी पर स्थित डोंगरगढ़ में बम्लेश्वरी मंदिर है, जो प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है।

प्रमुख वक्तागण

1) आचार्य विजयकुमार सी.जी., कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

2) डॉ. नौनिहाल गौतम, सहा. प्राध्यापक (संस्कृत), डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

3) डॉ.जगदीश नारायण तिवारी, सहा. प्राध्यापक (संस्कृत), महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

शोधपत्र हेतु उपविषय

- भारतीय ज्ञानपरंपरा में राष्ट्रचिन्तन
- संस्कृत वांग्मयमें विकसित भारत की परिकल्पना
- भारतीय साहित्य में विकसित भारत
- भारतीय ज्ञान परम्परा में भाषाचिंतन - विकसित भारत का आधार
- दार्शनिक चिंतन एवं विकसित भारत
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० एवं भारतीय ज्ञान परम्परा
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० एवं विकसित भारत
- प्राचीन चिकित्सा विज्ञान का विकसित भारत के निर्माण में योगदान
- अध्यात्म एवं विकसित भारत
- नैतिक मूल्यों के विकास हेतु भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान
- विकसित भारत के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अर्थव्यवस्था
- भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राजनीति
- प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रोत्थान
- विकसित भारत के निर्माण हेतु शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन की आवश्यकता
- भारतीय ज्ञान परम्परा और साहित्य
- वर्तमान में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता
- विकसित भारत के निर्माण हेतु भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित भोग एवं त्याग की अवधारणा
- प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भारत का इतिहास
- भारतीयज्ञानपरंपरा का उद्गाता वैदिक सम्पदा

शोधपत्रहेतु निर्देश

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी हेतु शोधपत्र भेजते समय कृपया निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देवें -

- शोधपत्र संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में प्रेषित करें।
- शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि 20/02/2024 है। पूर्ण शोधपत्र अधिकतम ८ पृष्ठों में हो। पूर्ण शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि 25/02/2024 है।
- हिंदी में - MS word Document A4 Size Hindi Unicode font 12-14 space 1.5
- अंग्रेजी में - MS Word Document, A4 size, Times New Roman, font size 12, space1.5
- शोधपत्र निम्न Email ID पर भेजें।

sktnationalseminar24@gmail.com

संपर्क :- 7987260437, 6260130038

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापक/सहायकप्राध्यापक/शिक्षकों हेतु ६००/-रु.
शोधार्थियों हेतु ४००/-रु.
विद्यार्थियों हेतु २००/-रु.

पंजीयन शुल्क ऑनलाईन तथा ऑफलाइन माध्यम से किया जा सकता है- कृपया समस्त प्रतिभागी दिए गए गूगल लिंक को क्लिक कर पंजीयन करें -

गूगल लिंक - https://forms.gle/qgssG34bw41Ss5aT6

पंजीयन शुल्क निर्दिष्ट खाते में जमा करने के पश्चात् उसका स्क्रीन शॉट गूगल फॉर्म में निर्धारित बिंदु में अपलोड करें।

बैंक खाते का विवरण-

BANK NAME- STATE BANK INDIA
Name-Controller Autonomous, Digvijai College, Rajnandgaon
A/c Number - 10564179491, IFSC Code - SBIN0000464